1000 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

(69)

१: लेख्यकारी : श्री सुदामा राजवंशी पिता स्व. भरोसी राजवंशी जाति हिन्दु पेशा कास्तकारी इत्यादि निवास स्थान गढ़बनैली थाना कसबा जिला पूर्णियाँ। भारतीय हैं।

२: लेख्य धारीगण :
१. श्रीमती गुड्डी देवी पति श्री मोती स्वर्णकार
२. श्रीमती आशा देवी पति श्री अनिल स्वर्णकार
जीवित जाति स्वर्णकार पेशा गृहणी इत्यादि निवास स्थान गढ़बनैली थाना कसबा जिला पूर्णियाँ। भारतीय हैं।

3: लेख्य-प्रकार : विक्रय-पत्र अर्थात केवाला Absolute Sale deed नवैयत कायमी।

४: मुल्य-राशि : मो. २९५०० अनतीस हजार पाँच सौ रुपया जिसका आधा मो. १४७५० चौदह हजार सात सौ पचास रुपया होता है।

५: भूमि-विवरण : विक्रय सुदा आवासीय भूमि गवाजी ०:०५ डी. भूमि जिसका जमा सालाना पूत्रानुसार राशि

979
1-7

Smt Gunddi Devi of Gadhbanmalee
PS- Kasba .. Sale

1000x2 } 2500/-
500x1

026022

Abdul Gani
29/11/04

ABDUL GANI
STAMP VENDER
Registry Office, PURNEA
L. No.- 1481 78

~~सुदामा राजवंशी~~
29-11-04

श्री सुदामा राजवंशी
पे० भोला राजवंशी
ग्रा० बनैली
कसबा
रहीं
पूर्णियाँ

सुदामा राजवंशी
पहचान - राजेन्द्र मेहतर
पिता स्व० मुसाई मेहतर

568
29/11/04

(सुदामा राजवंशी)
29/11/04

569 राजेन्द्र मेहतर
29/11/04.

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

मो-0:10 पैसे अतिरिक्त शेष नर्वेयत कायमी अन्दर मौजा 'घोड़दौड़' प्रगना हवेली थाना कसबा, सदर निबंधन कार्यालय एवं जिला पूर्णियाँ। अदाय मू० राजस्व बिहार सरकार द्वारा अंचल पदाधिकारी कसबा को होता है थाना नं० 189 तौजी नं० 814 नर्वेयत कायमी। भूमि आवासीय एवं खाली है।

रिविजनल सर्वे, रिविजनल सर्वे

- खाता -	- खेसरा -	रकबा
168	143 अंश	
एक सौ अड़सठ	एक सौ तेतालिस	0:05 डी०
चकरखाता	चकखेसरा	पाँच कड़ी
299	126 अंश	
दो सौ निन्यानबे	एक सौ छब्बीस	

- चौहद्दी -

उत्तर	दक्षिण	पुरब	पश्चिम
नीम बाबा द्वारा देय रास्ता 10 कड़ी चौड़ा	गौरी देवी	नीमबाबा	नीम बाबा

उपर्युक्त वर्णित भूमि हम लेख्यकारी को स्वयं नाम से खरीद केवाला रजि० ता० 9-11-62 ई० दलील नं० 16031 जिल्द 306 पृ० नं० 80-82 ई० नि० का पूर्णियाँ से भाकायाबेगमाय राजवंशी से प्राप्त कर दखल कार रहते हुए हाल चकबंदी सर्वे स्वयं नाम से खतियान दर्ज है एवं वर्णित भूमि पूर्ण स्वामित्व के साथ स्वेच्छ्य एवं स्थिर मन से बिक्री किया।

6: उस समय हम लेख्यकारी को कई आवश्यक कार्यों के लिए नगद रुपयों की आवश्यकता होने

सुदामा राजवंशी
29-11-04

गवाह
[illegible]
29-11-04

979/1

Smt. Gunddi Devi for Sale

026023

ABDUL GANI
STAMP VENDOR
Registry Office, RURNSA
L. No.- 143/70

29/11/04

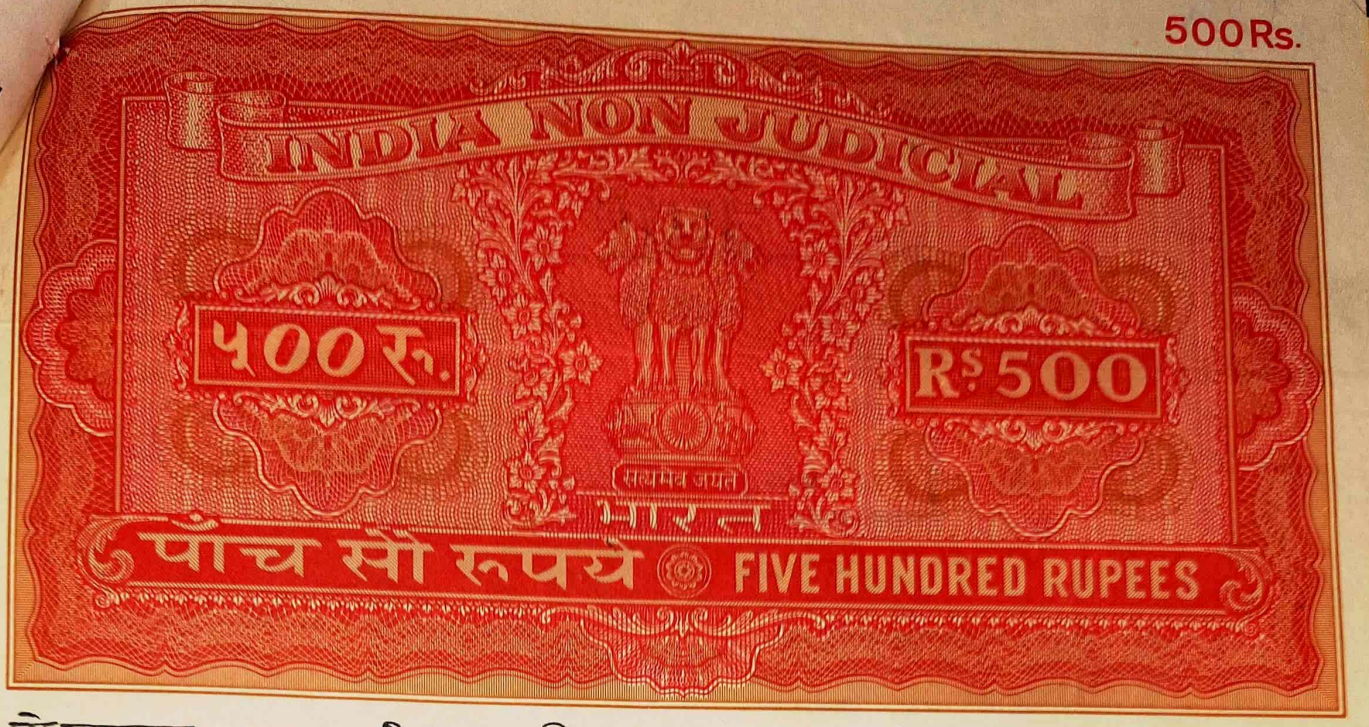

500Rs.

के कारण खाता सं० ४ वाली भूमि लेख्यधारी खाता सं० २ वाले क्रेता से खाता सं० ४ की मूल्य राशि मो० २९५०० उनतीस हजार पाँच सौ रुपया कुल भुगतान लेकर रजिस्ट्री सम्पादन कर दिया। अब क्रेता के पास एक भी पैसा बाकी नहीं रहा एवं विक्रय भूमि सम्बंधी सम्पूर्ण अधिकार क्रेता को हस्तान्तरित कर दिया। आज दिनांक से क्रेता अपने क्रय की गई भूमि पर दखलकार होकर एवं मकानादि बना कर स्वयं तथा वंशानुक्रम अपने पुत्र-पौत्रादि सहित भोगोपयोग एवं वास-निवास करते रहेंगे एवं भू राजस्व बिहार सरकार में अपना नाम प्रविष्ट कराकर वार्षिक भू राजस्व रसीद खाजाना प्राप्त करते रहेंगे। हम लेख्यकारी प्रतिज्ञा करते हैं कि विक्रय शुदा भूमि हर प्रकार से निर्विवाद तथा ऋणादि भार अथवा हस्तान्तरण इत्यादि से मुक्त है यद्यपि यदि लेख्यधारी अथवा उनके उत्तराधिकारी खानापनों द्वारा विक्रय भूमि के किसी भी अंश अथवा सम्पूर्ण से बेदखल हो जाय तो वैसी परिस्थिति में हम लेख्यकारी के अन्यान्य चलाचल सम्पत्ति में से वर्णित कुल मूल्य राशि मय क्षति एवं कानूनी सूद के वसूल कर लेंगे। इसलिए हम शब्दों का पाबंद होकर यह विक्रय पत्र लेख्यधारी के पक्ष में लिख दिया। जो प्रमाण रहे। आज दिनांक २९-११-०४ ई०।

(क) भूमि बिहार सरकार गैर मजरूआ आम / खास या अन्य खाता से सम्बन्धित नहीं है।

(ख) भूमि भू-हदबंदी से सम्बन्धित नहीं है एवं इसके सम्बंध में भू हदबंदी अधिनियम १९६३ की धारा

सुदामा राजवंशी
29-11-04

979/1-3

Smt Buddhi Devi ...

015470

पूर्णिया कोषागार ...
निर्ग...
तिथि 9 NOV ...
...

Abdul Gani
ABDUL GANI
STAMP VENDER
Registry ..., PURNEA
L. No.- 14/70
29/11/04

(1) के तहत प्राप्त एवं 4×(1) के तहत प्राप्त की
जिला गजट की अधिसूचना कभी भी प्रकाशित
नहीं हुई है।
(ग) भूमि बंदोबस्ती, भूदान, लालकार्ड से सम्बंधित
नहीं है।
(घ) भूमि खास महाल से सम्बंधित नहीं है।
विक्रय-पत्र पढ़कर दोनों पक्षों को सुना व समझा
दिया। स्वयं लि.
प्रमाणित किया जाता है कि मूल दस्तावेज एवं द्वितीय
प्रति एक दुसरे के हुबहु एवं स्थायी प्रति लिपि है
एवं इस दस्तावेज में लगा छाया चित्र एवं बायें
हाथ का अंगुलियों का निशान मेरे सामने लिया
गया है वा. लक्ष्मी प्र० साह लाइ० नं० 436/04-05

लिपिकार
लक्ष्मी प्रसाद साह
सा. ललोचिया
थाना. कसबा
जिला. पूर्णियाँ
लाइ. नं. 436/04-05

गुड्डी देवी आ० मनोज कुमार

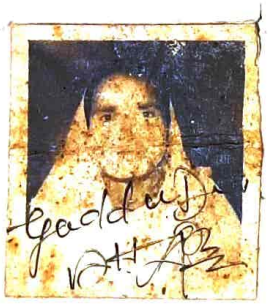

आशा देवी व मनोज कुमार

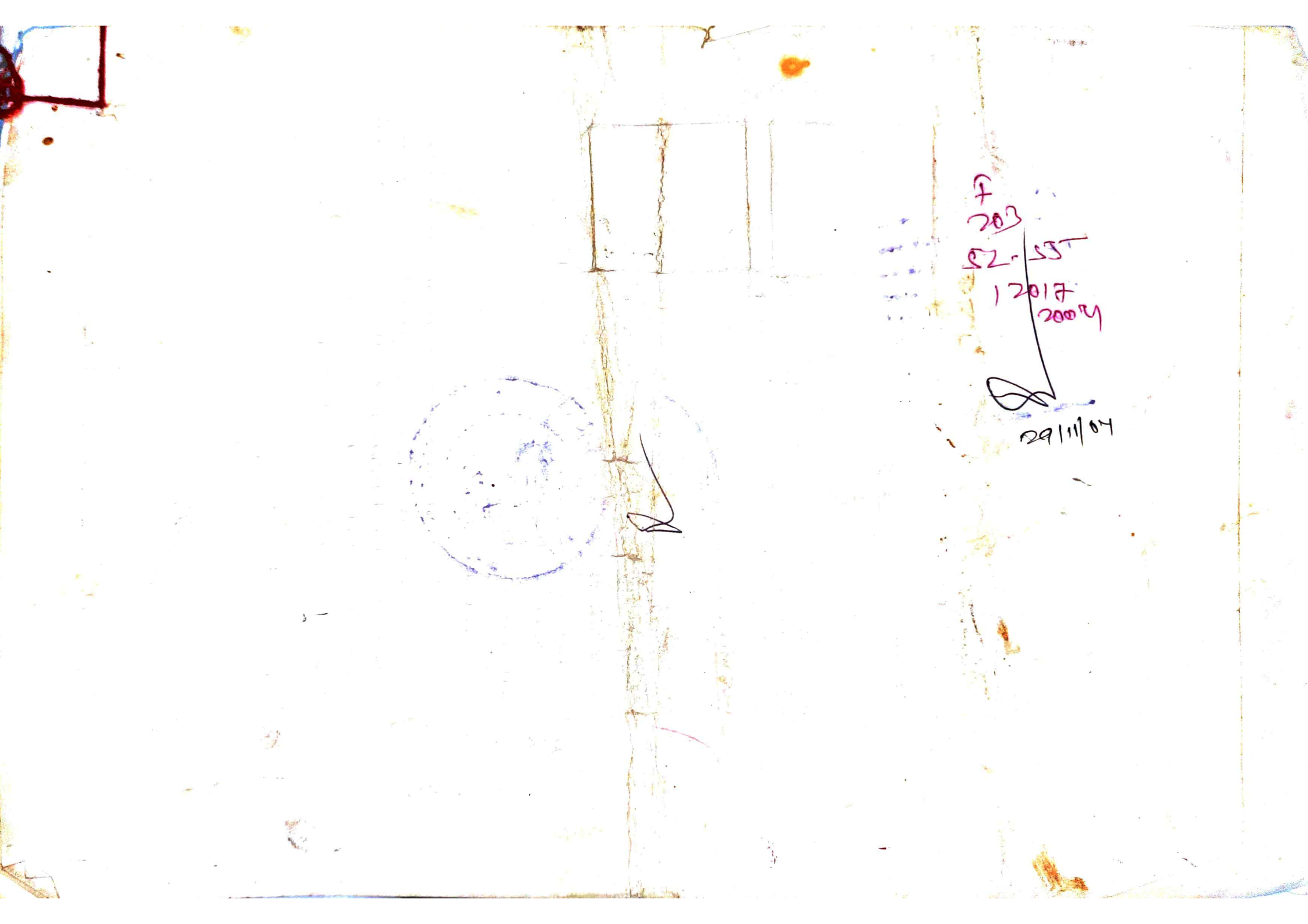

F
203
52.55
1 2017
2009

29/11/07